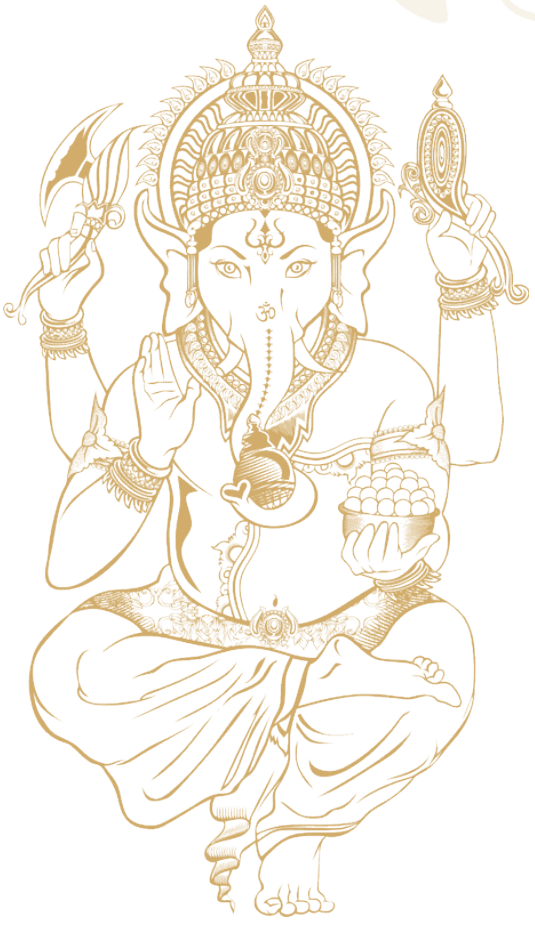

Mr.Shardesh Agrawal

Ms. Richa Agrawal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119316404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/07/1998	जन्म तिथि	24/08/2000
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 12:12:00	जन्म समय	22:30:00 घंटे
घटी 16:46:35	जन्म समय(घटी)	42:05:10 घटी
India	देश	India
Manendragarh	स्थान	Delhi
23:20:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
82:22:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:00:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:21	सूर्योदय	05:55:09
18:44:14	सूर्यास्त	18:51:09
23:50:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 1मा 9दि	12:06:56	तुला	लग्न	मेष	23:45:43	मंगल 1वर्ष 10मा 4दि
राहु	12:07:43	कर्क	सूर्य	सिंह	07:57:13	गुरु
07/09/2009	17:51:09	कन्या	चंद्र	मिथु	03:09:04	29/06/2020
08/09/2027	21:28:23	मिथु	मंगल	कर्क	21:20:42	29/06/2036
राहु 20/05/2012	04:17:33	सिंह	बुध	सिंह	10:37:06	गुरु 17/08/2022
गुरु 14/10/2014	04:01:07	मीन व	गुरु	वृष	15:19:49	शनि 28/02/2025
शनि 20/08/2017	17:48:11	मिथु	शुक्र	सिंह	28:13:46	बुध 05/06/2027
बुध 08/03/2020	09:31:39	मेष	शनि	वृष	06:48:05	केतु 11/05/2028
केतु 27/03/2021	08:48:29	सिंह व	राहु व	मिथु	28:40:13	शुक्र 10/01/2031
शुक्र 27/03/2024	08:48:29	कुंभ व	केतु व	धनु	28:40:13	सूर्य 30/10/2031
सूर्य 18/02/2025	17:07:53	मक व	हर्ष व	मक	24:27:11	चन्द्र 28/02/2033
चन्द्र 20/08/2026	06:47:24	मक व	नेप व	मक	10:35:55	मंगल 03/02/2034
मंगल 08/09/2027	11:32:54	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:17:39	राहु 29/06/2036

लग्न-चलित

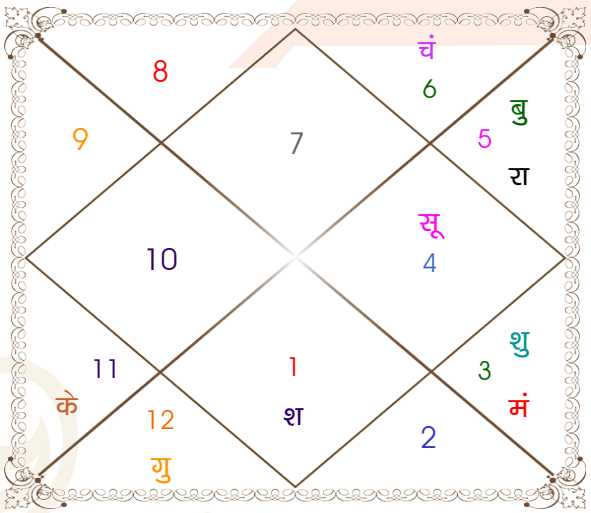

लग्न-चलित

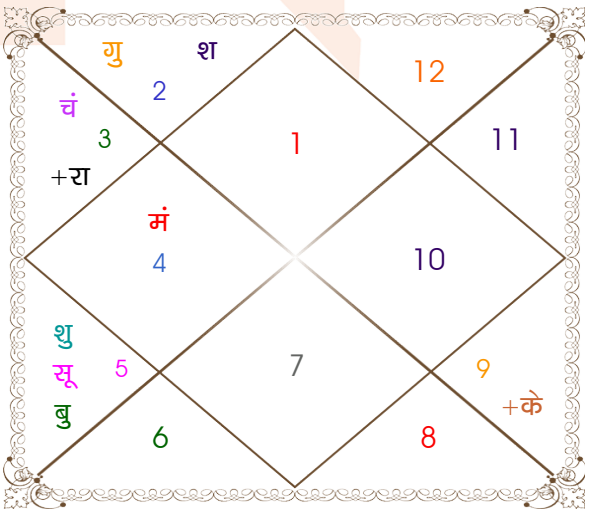

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

डतर्णैतकमेी ।हतूंस का वर्ग श्वान है तथा डेण त्पबीं ।हतूंस का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्णैतकमेी ।हतूंस और डेण त्पबीं ।हतूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्णैतकमेी ।हतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण त्पबीं ।हतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण त्पबीं ।हतूंस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण त्पबीं ।हतूंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतर्णैंतकमेी ।हतूंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णैंतकमेी ।हतूंस तथा डेण त्पबीं ।हतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।